

## ॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः  
 ॐ गणक्रीडाय नमः  
 ॐ महागणपतये नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वमुखाय नमः  
 ॐ दुर्जयाय नमः  
 ॐ धूर्जयाय नमः  
 ॐ जयाय नमः  
 ॐ सुरूपाय नमः  
 ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः १०  
 ॐ वीरासनाश्रयाय नमः  
 ॐ योगाधिपाय नमः  
 ॐ तारकस्थाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ गजकर्णकाय नमः  
 ॐ चित्राङ्गाय नमः  
 ॐ श्यामदशनाय नमः  
 ॐ भालचन्द्राय नमः

ॐ चतुर्भुजाय नमः  
 ॐ शम्भुतेजसे नमः २०  
 ॐ यज्ञकायाय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सामबृंहिताय नमः  
 ॐ कुलाचलांसाय नमः  
 ॐ व्योमनाभये नमः  
 ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः  
 ॐ निम्ननाभये नमः  
 ॐ स्थूलकुक्षये नमः  
 ॐ पीनवक्षसे नमः  
 ॐ बृहद्भुजाय नमः ३०  
 ॐ पीनस्कन्धाय नमः  
 ॐ कम्बुकण्ठाय नमः  
 ॐ लम्बोष्ठाय नमः  
 ॐ लम्बनासिकाय नमः  
 ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः

ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 ॐ इक्षुचापधराय नमः  
 ॐ शूलिने नमः  
 ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः  
 ॐ अक्षमालाधराय नमः ४०  
 ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः  
 ॐ विजयावहाय नमः  
 ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी-  
 केलिलालिताय नमः  
 ॐ अमोघसिद्धये नमः  
 ॐ आधाराय नमः  
 ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः  
 ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः  
 ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः  
 ॐ कर्मसाक्षिणे नमः  
 ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५०  
 ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः  
 ॐ कमण्डलुधराय नमः  
 ॐ कल्पाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः  
 ॐ कटिसूत्रभृते नमः  
 ॐ कारुण्यदेहाय नमः  
 ॐ कपिलाय नमः  
 ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः  
 ॐ गुहाशयाय नमः  
 ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६०  
 ॐ घटकुम्भाय नमः  
 ॐ घटोदराय नमः  
 ॐ पूर्णानन्दाय नमः  
 ॐ परानन्दाय नमः  
 ॐ धनदाय नमः  
 ॐ धरणीधराय नमः  
 ॐ बृहत्तमाय नमः  
 ॐ ब्रह्मपराय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०  
 ॐ भव्याय नमः  
 ॐ भूतालयाय नमः

ॐ भोगदात्रे नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ वामदेवाय नमः  
 ॐ वन्द्याय नमः  
 ॐ वज्रनिवारणाय नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८०  
 ॐ हवनाय नमः  
 ॐ हव्यकव्यभुजे नमः  
 ॐ स्वतन्त्राय नमः  
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः  
 ॐ कीर्तिदाय नमः  
 ॐ शोकहारिणे नमः  
 ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः  
 ॐ चतुर्बाहवे नमः  
 ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०

ॐ चतुर्थातितिसम्भवाय नमः  
 ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपादे नमः  
 ॐ कामरूपाय नमः  
 ॐ कामगतये नमः  
 ॐ द्विरदाय नमः  
 ॐ द्वीपरक्षकाय नमः  
 ॐ क्षेत्राधिपाय नमः  
 ॐ क्षमाभर्त्रे नमः १००  
 ॐ लयस्थाय नमः  
 ॐ लङ्घुकप्रियाय नमः  
 ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः  
 ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ भक्तिसुलभाय नमः  
 ॐ याज्ञिकाय नमः  
 ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि:

## सम्पूर्णा ॥

---

This stotra can be accessed in multiple scripts at:  
[http://stotrasamhita.net/wiki/Ganapati\\_Ashtottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Ganapati_Ashtottara_Shatanamavali). This PDF  
was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>